भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1912

दिनांक 06.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

शहीद भगत सिंह की विरासत संरक्षित रखना

1912. **श्री मनीश तिवारीः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केंद्र सरकार को लाहौर उच्च न्यायालय में दी गई दलीलों में शहीद भगत सिंह के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में भारत की चिंताओं से पाकिस्तान को अवगत कराने के लिए क्या राजनयिक कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) क्या सरकार ने भगत सिंह जैसी ऐतिहासिक शख्सियतों के प्रति अपने व्यवहार में प्रतिबिंबित बढ़ती असहिष्णुता और भारत विरोधी भावनाओं के संबंध में पाकिस्तान को कोई अभ्यावेदन दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय कर रही है कि शहीद भगत सिंह की विरासत संरक्षित रहे और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को विश्व स्तर पर मान्यता मिले?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री कीर्ति वर्धन सिंह)

(क) से (घ) भारत सरकार ने शहीद भगत सिंह के खिलाफ पाकिस्तान में की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के बारे में हाल ही में आई रिपोर्टों पर गौर किया है और इस घटना के संबंध में राजनयिक माध्यमों से पाकिस्तान सरकार के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। भारत सरकार सांस्कृतिक विरासत पर होने वाले हमलों, बढ़ती असहिष्णुता और

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों के प्रति सम्मान की कमी से संबंधित मुद्दे भी पाकिस्तान के साथ उठाती रही है।

भारत सरकार और समग्र राष्ट्र स्वतंत्रता संग्राम में शहीद भगत सिंह के अमूल्य योगदान को स्वीकार करता है। शहीद भगत सिंह की पुण्यतिथि प्रतिवर्ष भारत और विदेश में मनाई जाती है। विदेश में स्थित भारत के राजनयिक मिशन भी शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

*****